1 समय बहुत ही मूल्यवान है

- परिचयात्मक प्रश्न - आप सभी के घरों में घड़ी किस कार्य हेतु पाई जाती है?
  - समय आगे बढ़ता है या पीछे हटता है?
  - समय का दुरुपयोग करना चाहिए या सदुपयोग?
  - क्या आप प्रातः प्रसन्न मुद्रा में सोकर उठते हैं?
- प्रतिबिंब - बालकों को समय के महत्व से परिचित कराना।
- परिकल्पना - अन्य वस्तुओं की तुलना में समय को अधिक महत्व क्यों दिया जाता है?

चला गया जो समय लौटकर
कभी नहीं फिर आता
सदा समय को खोने वाला,
कर मल-मल पछताता।
जिसने इसे न माना, इसको
जिसने भी ठुकराया,
लाख यत्न करने पर भी
यह हाथ न उसके आया।
हो जाता है एक घड़ी के लिए जन्म-भर रोना
समय बहुत ही मूल्यवान है, व्यर्थ कभी मत खोना।

धन खो जाता, श्रम करने से
फिर मनुष्य है पाता,
स्वास्थ्य बिगड़ जाने पर
उपचारों से है बन जाता।
विद्या खो जाती, फिर भी
पढ़ने से है आ जाती,
लेकिन खो जाने पर मिलती,
नहीं समय की थाती।
जीवन-भर भटको, छानो, दुनिया का कोना-कोना
समय बहुत ही मूल्यवान है, व्यर्थ कभी मत खोना।

रहती थी बापू की कटि में
हरदम घड़ी लटकती,
उन्हें एक क्षण की भी बरबादी,
थी अत्यधिक खटकती।
बच्चो! तुम भी उसी भाँति
पल-पल से लाभ उठाओ
व्यर्थ न जाए कभी एक क्षण ऐसा नियम बनाओ।
गाँठ बाँध लो नहीं पड़ेगा कभी तुम्हें दुःख ढोना
समय बहुत ही मूल्यवान है, व्यर्थ कभी मत खोना।

-हरिकृष्ण देवसरे

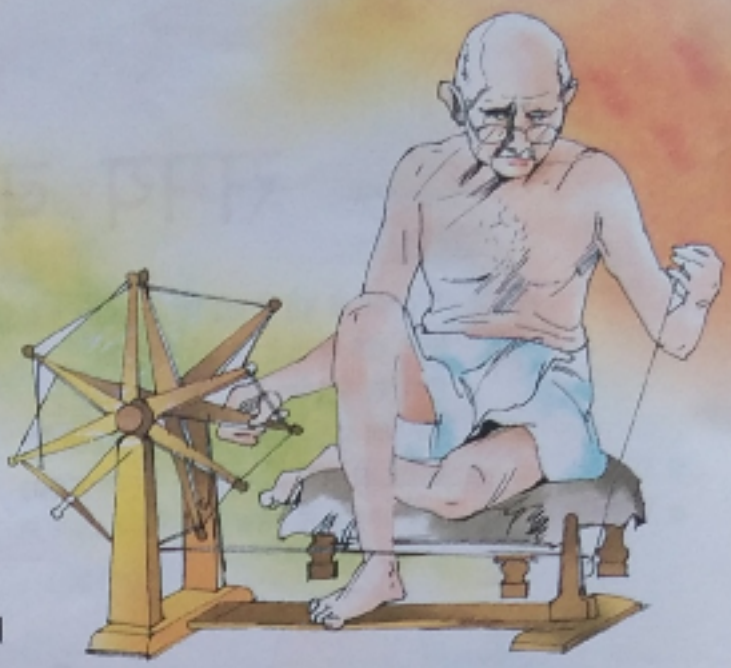

शब्दार्थ कर = हाथ। व्यर्थ = बेकार। यत्न = कोशिश। श्रम = मेहनत। थाती = धरोहर, खजाना। कटि = कमर। खटकती = बुरी लगती। गाँठ बाँध लो = याद रखो।

अभ्यास-कार्य

कविता से

■ बहुविकल्पीय प्रश्न

(क) सही विकल्प के सामने ✓ लगाइए :

1. जिसे खोकर पुनः प्राप्त किया जा सकता है, वह है-
   (अ) धन ✓ (ब) समय ☐ (स) जीवन ☐
2. जिसे खोकर पुनः प्राप्त नहीं किया जा सकता है, वह है-
   (अ) बल ☐ (ब) धन ☐ (स) समय ✓
3. जो निरंतर चलता है, वह है--
   (अ) जीवन ☐ (ब) समय ✓ (स) पहिया ☐
4. बापू को जो चीज खटकती थी, वह है-
   (अ) समय की बरबादी ✓ (ब) असमय मुलाकात ☐ (स) कहीं आना-जाना ☐

(ख) कविता की छूटी हुई पंक्तियाँ लिखिए :

1. चला गया जो समय लौटकर
   कभी नहीं फिर आता।
   सदा समय को खोने वाला,
   कर मल-मल पछताता।

जिसने इसे न माना, इसको
जिसने भी ठुकराया।
लाख यत्न करने पर भी
यह हाथ न उसके आया।

2. रहती थी बापू की कटि में
हरदम घड़ी लटकती।
उन्हें एक क्षण की बरबादी,
थी अत्यधिक खटकती।
बच्चो! तुम भी उसी भाँति
पल-पल से लाभ उठाओ।
व्यर्थ न जाए कभी एक क्षण
ऐसा नियम बनाओ।

(ख) रेखा खींचकर कविता की परस्पर संबद्ध पंक्तियों का सुमेल कीजिए:

1. धन खो जाता, श्रम करने से	(अ) ऐसा नियम बनाओ।
2. स्वास्थ्य बिगड़ जाने पर	(ब) व्यर्थ कभी मत खोना।
3. विद्या खो जाती, फिर भी	(स) कर मल-मल पछताता।
4. व्यर्थ न जाए कभी एक क्षण	(द) फिर मनुष्य है पाता,
5. सदा समय को खोने वाला,	(य) उपचारों से है बन जाता।
6. समय बहुत ही मूल्यवान है,	(र) पढ़ने से है आ जाती

■ शुद्ध उच्चारण कीजिए:

मूल्यवान | व्यर्थ | अत्यधिक | मनुष्य | यत्न

■ इनके उत्तर लिखिए:

1. वह क्या है जिसे खोकर पुनः प्राप्त नहीं किया जा सकता?
समय को खोकर पुनः प्राप्त नहीं किया जा सकता।
2. कर मल-मलकर किसे पछताना पड़ता है?
समय का सदुपयोग न करने वाले को कर मल-मलकर पछताना पड़ता है।
3. महात्मा गाँधी को क्या अच्छा नहीं लगता था?
महात्मा गांधी को समय की बरबादी करना अच्छा नहीं लगता था।
4. महात्मा गाँधी की कमर में लटकी घड़ी से क्या पता चलता है?
घड़ी से समय का महत्व पता चलता है।
5. प्रस्तुत कविता में कवि क्या संकल्प करने के लिए कहता है?
कविता में कवि समय का सदुपयोग करने के लिये कहता है।

भाषा की बात

(क) निम्नलिखित में 'ईय' जोड़कर नए शब्द बनाइए :

1. मानव मानवीय
2. शासक शासकीय
3. दर्शन दर्शनीय
4. भारत भारतीय
5. राष्ट्र राष्ट्रीय
6. ईश्वर ईश्वरीय

(ख) मूल शब्द बताइए :

उदाहरण- पीड़ित पीड़ा

1. चिंतित चिंता
2. प्रमाणित प्रमाण
3. प्रभावित प्रभाव
4. उत्साहित उत्साह
5. आयातित आयात
6. सम्मानित सम्मान
7. धार्मिक धर्म
8. प्रादेशिक प्रदेश

(ग) वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

1. कर मलकर पछताना — समय निकल जाने पर कर मलकर पछताना पड़ता है।
2. मूल्यवान — समय बहुत मूल्यवान होता है।
3. बुद्धि — अहंकार से मनुष्य की बुद्धि नष्ट हो जाती है।
4. बुद्धिमान — वह बहुत मेहनती और बुद्धिमान नेता है।
5. गुणवान — कैसा गुणवान बालक था।
6. क्रोध — मनुष्य को क्रोध नहीं करना चाहिये।
7. क्रोधी — क्रोधी मानव जीवन का स्वभाव है।

(घ) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए :

1. जिसका बहुत मूल्य हो — बहुमूल्य
2. जो कठिनाई से प्राप्त हो — दुर्लभ
3. जो सरलता से प्राप्त हो — सुलभ
4. जिसका मूल्य ही न हो — अमूल्य

कुछ करने की बात

(क) आप समय का सदुपयोग करने के लिए क्या करते हैं? लिखिए :

(ख) आपकी ऐसी अनेक चीजें जो पहले थीं, परंतु अब नहीं हैं, उनमें से किन मूल्यवान चीजों को आप वापस लेना चाहेंगे और क्यों? बताइए।

(ग) 'समय का महत्त्व' विषय पर कक्षा में चर्चा कीजिए।